

जबलपुर, गुरुवार 24 सितंबर 2026

login : www.haribhoomi.com

पांडुर्णा | सौंसर | चौरई | बिछुआ | परासिया | जुन्नारदैव | अमरवाड़ा | हरई

सरकारी अफसरों की गाड़ियों में नियमों के पालन में लापरवाही 2010 से 2017 मॉडल तक की पुरानी गाड़ियां दौड़ रहीं, फिटनेस-बीमा और इ़ाइवर के लाइसेंस पर भी सवाल

हरिभूमि न्यूज » » छिन्दवाड़ा

आम जनता को नियमों का पालन कराने वाला प्रशासन अपने ही विभाग में नियमों को लेकर कितना गंभीर है, इसका सवाल प्रशासनिक अधिकारियों के लिए लगाई गई गाड़ियों को देखकर उठ रहा है। तहसीलदार, एसडीएम और नायब तहसीलदार जैसे अधिकारियों के लिए चल रही कुछ गाड़ियों के मॉडल वर्ष, फिटनेस, बीमा और चालकों के लाइसेंस को लेकर गंभीर सवाल सामने आए हैं।जानकारी के अनुसार चांद-हरई क्षेत्र के तहसीलदार के लिए वर्ष 2010 मॉडल की गाड़ी, छिंदवाड़ा एसडीएम के लिए 2017 मॉडल, छिंदवाड़ा ग्रामीण तहसीलदार के लिए 2017 मॉडल तथा ग्रामीण नायब तहसीलदार के लिए 2016 मॉडल की गाड़ी चलने की जानकारी सामने आई है। सवाल यह है कि क्या इन वाहनों की निर्धारित अवधि में फिटनेस, बीमा और अन्य जरूरी दस्तावेजों की नियमित जांच की जा रही है?

बताया गया है कि करीब चार वर्ष पूर्व ग्रामीण तहसील कार्यालय की एक सरकारी उपयोग में चल रही गाड़ी का चोरी रोड पर हादसा हुआ था। उस समय वाहन के चालक के लाइसेंस और वाहन के बीमा को लेकर भी सवाल सामने आए थे। इसके बाद भी यदि वर्तमान में इसी तरह की लापरवाही जारी है तो यह प्रशासनिक निगरानी पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। सूरों के अनुसार इस मामले को टॉपल बैठक में भी उठाया गया, लेकिन अपेक्षित जवाब नहीं मिलने की बात कही जा रही है। वहीं संबंधित जानकारी के लिए आरटीआई के माध्यम से जानकारी मागे जाने के बावजूद सूचना नहीं दिए जाने के आरोप भी हैं। ऐसे में सवाल है कि यदि वाहन व्यवस्था पूरी तरह नियमों के अनुसार है तो दस्तावेज सार्वजनिक करने में परेशानी क्या है?

चार साल पहले हुए हादसे से भी नहीं लिया सबक?

फिल्मी स्टाइल में किया मवेशी तस्करों का पीछा 37 किमी दौड़ी पुलिस, तीन थानों की घेराबंदी में फंसी स्विफ्ट कार से 5 गोवंश मुक्त

हरिभूमि न्यूज » » पांडुर्णा

पांडुर्णा जिले के नांदनवाड़ी क्षेत्र में मंगलवार देर रात पुलिस और मवेशी तस्करों के बीच हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। मवेशियों की अवैध तस्करी कर रही एक स्विफ्ट कार को पुलिस ने करीब 37 किलोमीटर तक फिल्मी स्टाइल में पीछा करने के बाद आखिरकार धेकर पकड़ लिया। इस कारवाई में तीन थानों की पुलिस ने संयुक्त रूप से मोर्चा संचाला।

कार में क्रूरता की हदें पार, सीट हटाकर दूसे गए थे 5 मवेशी

पुलिस जब घेराबंदी कर स्विफ्ट कार तक पहुंची और उसकी तलाशी ली, तो अंदर का नजारा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। छोटी सी स्विफ्ट कार के भीतर 5



मवेशियों को बेहद क्रूरतापूर्वक बांधकर दूसा गया था। जानवरों की हालत ऐसी थी कि वे न तो हिल-डुल पा रहे थे और न ही बैठ सकते थे। पुलिस ने तुरंत सभी मवेशियों को सुरक्षित बाहर निकाला और उपचार व देखरेख के लिए नजदीकी गौशाला भिजवा दिया।

चढ़े पुलिस के हत्थे, 37 किमी का पीछा और त्रिस्तरीय घेराबंदी

घटना मंगलवार देर रात की है। नांदनवाड़ी पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली थी कि एक स्विफ्ट कार में अवैध रूप से मवेशियों को ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार को रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने रुकने के बजाय गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी और भाग निकला। इसके बाद नंदनवाड़ी पुलिस ने बिना वक्त गंवाए तस्करों की कार का पीछा करना शुरू कर दिया। लगभग 37 किलोमीटर तक पीछा करने के साथ ही नांदनवाड़ी पुलिस ने स्थिति को मांपते हुए पांडुर्णा और बड़ चिचोली पुलिस स्टेशन को अलर्ट किया। तीनों थानों की पुलिस ने तालमेलभरी रणनीति बनाते हुए सिवनी ओवरब्रिज के नीचे मजबूत घेराबंदी कर दी। चारों तरफ से घिरते ही तस्करों को कार रोकनी पड़ी।

महाराष्ट्र के कत्तखाने ले जाने की थी तैयारी

थाना प्रभारी अमित दानी आज जानकारी देते हुए बताया कि कार से 5 मवेशी बरामद कर सुरक्षित स्थान पर भेजे गए हैं। आशंका जताई जा रही है कि इन मवेशियों को तस्करी कर महाराष्ट्र के कत्तखाने (बूचड़खाने) ले जाया जा रहा था। पुलिस ने तस्करी में हस्तेमाल की गई स्विफ्ट कार को जब्त कर लिया है और संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई व आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर दिए दिशा-निर्देश पेंच नदी में गणेश प्रतिमा विसर्जन स्थल का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज » » सिंगोड़ी

गणेश उत्सव के समापन पर श्री गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बुधवार को राजस्व एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने सिंगोड़ी स्थित पेंच नदी के प्रस्तावित विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घाट सहित आसपास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और नदी घाट पर आवश्यक इंतजामों की जानकारी ली। प्रशासन की ओर से यह



सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। न करना पड़े और पूरी प्रक्रिया व्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न हो।

मौके पर एसडीएम अमरवाड़ा, नायब तहसीलदार अमरवाड़ा,

नायब तहसीलदार छिंदवाड़ा सहित राजस्व एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। इसके अलावा सिंगोड़ी सरपंच, राजखोह सरपंच एवं सचिव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी निरीक्षण के दौरान अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

अधिकारी ने पुरानी गाड़ी लेने से किया था इनकार

बताया जा रहा है कि एक तहसीलदार द्वारा पुरानी गाड़ी लेने पर आपत्ति जताते हुए संबंधित ट्रैवलर्स संचालक की गाड़ी लेने से इनकार भी किया गया था। इसके बावजूद वाहन व्यवस्था में बदलाव नहीं होने की बात सामने आ रही है। इससे सवाल उठता है कि आखिर किसके दबाव या संरक्षण में पुरानी गाड़ियां अधिकारियों के लिए संचालित की जा रही हैं?

10 से 6 की जगह सुबह 9 से रात 10 तक इयूटी

टेंडर की शर्तों के अनुसार चालक को इमरजेंसी में 24 घंटे उपलब्ध

रहने तथा सामान्य कार्य अवाधि में सुबह 10 से शाम 6 बजे तक सेवाएं देने की व्यवस्था बताई जा रही है। वहीं आरोप है कि वर्तमान में कई वाहन चालक सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक कार्य कर रहे हैं। ऐसे में टेंडर की शर्तों और वास्तविक व्यवस्था में अंतर की जांच भी जरूरी है।



सरकारी विभाग में निजी हितों का खेल?

मामले में यह आरोप भी लगाया जा रहा है कि कुछ कर्मचारियों की निजी अथवा रिश्तेदारों के नाम की गाड़ियां विभाग में लगी हुई हैं। यदि ऐसा है तो वाहन चालन की प्रक्रिया, टेंडर की शर्तों और हितों के टकराव की भी जांच होनी चाहिए।बड़ा सवाल यह है कि आम नागरिकों को कागुल और नियमों का पाठ पढ़ाने वाला प्रशासन अपने ही कार्यालयों में वाहनों की फिटनेस, बीमा, परमिट और चालक के लाइसेंस जैसे अनिवार्य नियमों को लेकर इतना लापरवाह क्यों दिखाई दे रहा है? पूरे मामले में कलेक्टर स्तर से सभी सरकारी उपयोग में लगे वाहनों के दस्तावेजों की जांच कराई जाती है या नहीं, यह देखने वाली बात होगी।

तिघरा उमरेठ में प्रदेश

स्तरीय दंगल, राहुल चंद्रवंशी

ने जीती फाइनल कुश्ती

छिंदवाड़ा/उमरेठ। ग्राम तिघरा उमरेठ में बुधवार, 23 सितंबर 2026 को बारस के अवसर पर प्रदेश स्तरीय दंगल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। दंगल में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे पहलवानों ने भाग लेकर अपने कुश्ती कौशल और दमखम का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता को देखने के लिए बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं कुश्ती प्रेमी मौजूद रहे। आयोजन करता दंगल समिति के डॉ. सुनील यदुवंशी ने बताया कि तिघरा दंगल समिति द्वारा पिछले करीब 24 वर्षों से बारस के अवसर पर लगातार दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष दंगल को प्रदेश स्तरीय स्वरूप दिया गया, जिसके चलते मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पहलवान तिघरा पहुंचे। प्रतियोगिता में एक से बढ़कर एक रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

हरिभूमि न्यूज » » छिन्दवाडा

कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ की अध्यक्षता में आज 23 सितंबर बुधवार को कलेक्टर सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक में विभागों के लंबित प्रकरणों, जनसमस्याओं, विकास कार्यों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की विभागावार समीक्षा की। कलेक्टर ने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का नियमानुसार परीक्षण करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण के निर्देश बैठक में अनुक्रंपा नियुक्ति से

लाखों के कबाड़ की बिक्री पर जांच का शिकंजा शिकायत के बाद गठित हुई जांच टीम, वित्त विशेषज्ञों की निगरानी में होगी जांच

हरिभूमि न्यूज » » छिन्दवाडा

महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल में बिना अनुमति कबाड़ बेचने के सामने आए मामले में अब जांच का शिकंजा कस गया है। हरिभूमि द्वारा मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने और उससे एक दिन पहले जिला कलेक्टर के समक्ष शिकायत पहुंचने के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। जांच के लिए अधिकारियों की टीम गठित कर दी गई है। खास बात यह है कि जांच दल में वित्तीय मामलों के विशेषज्ञ दो अधिकारियों को भी शामिल किया गया है, जो कबाड़ की बिक्री से जुड़े आर्थिक पहलुओं की बारीकी से जांच करेंगे।

जांच रिपोर्ट से खुलेगा राज

प्रशासन द्वारा जांच दल गठित किए जाने के बाद अब पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगी। वित्त विशेषज्ञों की मौजूदगी में होने वाली जांच में कबाड़ की वास्तविक कीमत से लेकर बिक्री की राशि तक का हिसाब खंगाला जाएगा। यदि नियमों का उल्लंघन या वित्तीय अनियमितता प्रमाणित होती है तो संबंधितों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जा सकती है।हरिभूमि की खबर के बाद प्रशासन द्वारा तत्काल जांच शुरू किए जाने से यह स्पष्ट है कि मामला अब फाइलों तक सीमित नहीं रहेगा। जांच रिपोर्ट में सामने आने वाले तथ्य यह तय करेंगे कि आखिर लाखों के कबाड़ को बिक्री की पूरी प्रक्रिया में नियमों का पालन हुआ था या नहीं।

जनसुनवाई के लंबित आवेदनों पर कलेक्टर सख्त

संबंधित रवि कुमार साहू एवं स्वर्गीय ईश्वर श्याम साहू के प्रकरण सहित प्राथमिकता वाले विकासखंडों में निवेशकों को भूमि उपलब्ध कराने, राष्ट्रीय जल मिशन के कार्यों में तेजी लाने तथा औद्योगिक क्षेत्र बोरगांव स्थित नर्मदा अमृत दुग्ध सागर प्राइवेट लिमिटेड के स्थल निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने जिले में स्वचालित मौसम केंद्र की स्थापना के लिए उपयुक्त स्थल का चयन करने तथा पांडुर्णा में मुख्यमंत्री युवा शक्ति योजना अंतर्गत प्रस्तावित इंडोर आउटडोर खेल स्टेडियम के लिए भूमि चिन्हित

कलेक्टर के आदेश पर भी नहीं हुई जांच भ्रष्टाचार की प्रलिया पर डाल दिया स्लैब!

खापा खुर्द की मनरेगा पुलिया छह साल से अधूरी, जांच के बजाय निर्माण कराने पर उठे गंभीर सवाल

हरिभूमि न्यूज » » तामिया

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस के दावों के बीच तामिया जनपद के देलाखारी सेक्टर की ग्राम पंचायत खापा खुर्द से सरकारी व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत करीब छह वर्ष पूर्व स्वीकृत पुलिया आज भी अधूरी बताई जा रही है। हरिभूमि ने इस मामले को प्रमुखता से उजागर किया था। शिकायत में निर्माण कार्य, माप पुस्तिका, तकनीकी मूल्यांकन और भूगतान से जुड़े गंभीर सवाल उठाए गए थे।मामले को गंभीरता को देखते हुए 14 अगस्त को तामिया के छिंदी में आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के शिविर में कलेक्टर के समक्ष शिकायत रखी गई थी। इसके बाद कलेक्टर ने पुलिया में हुई कथित वित्तीय एवं तकनीकी अनियमितताओं की जांच ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के कार्यपालन यंत्रो को सौंपी थी। लेकिन अब सवाल यह उठ रहा है कि जिस अधिकारी को जांच कर वास्तविकता सामने लानी थी, उसी स्तर से निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने की अनुमति कैसे मिली?

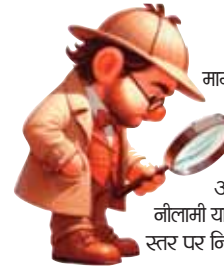


जांच के बजाय स्लैब डालने की तैयारी?

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि जांच पूरी होने से पहले ही पुलिया पर स्लैब डालने की कार्रवाई कर दी गई। यदि जांच अधिकारी के समक्ष निर्माण की गुणवत्ता, एस्टीमेट, माप पुस्तिका और पूर्व में किए गए भूगतान जैसे बिंदु जांच के विषय थे, तो जांच पूरी होने से पहले निर्माण को आगे बढ़ाना अपने आप में गंभीर सवाल खड़े करता है। आरोप यह भी है कि तकनीकी मापदंडों की अनदेखी करते हुए पुलिया पर स्लैब डलचाया गया, जिससे पहले किए गए कार्यों की वास्तविक स्थिति और संभावित अनियमितताओं के साक्ष्य प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में सवाल है कि कलेक्टर के जांच आदेश के बाद स्लैब किस मद से और किसकी अनुमति से डाला गया?

कलेक्टर के आदेश पर ही सवाल!

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब जिला स्तर से जांच के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे तो जांच पूरी होने तक निर्माण कार्य को रोकने अथवा यथास्थिति बनाए रखने के बजाय उसे आगे बढ़ाने की आवश्यकता क्यों पड़ी? क्या जांच अधिकारी ने कलेक्टर के निर्देशों की शर्तों और उद्देश्य के अनुरूप कार्रवाई की या नहीं, इसकी भी जांच होना जरूरी है।जिला पंचायत की फाइल पर क्यों जमी धूल/शिविर में शिकायत के साथ पुलिया में कथित अनियमितताओं से संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने के बावजूद मामला जिला पंचायत स्तर पर लंबित रहने की बात सामने आ रही है। इससे प्रशासनिक निगरानी और शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी राशि से बने कार्य में गड़बड़ी के सवाल उठने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई के बजाय मामले को लंबा खींचा जा रहा है। ग्रामीण अब कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से पूरे मामले की निष्पक्ष तककी जांच की मांग कर रहे हैं।



शिक्षकों की भूमिका पर भी नजर

मामले में महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल के साथ उत्कृष्ट विद्यालय से जुड़े कुछ शिक्षकों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। हालांकि किसी व्यक्ति को दोषी ठहराने से पहले जांच रिपोर्ट सामने आना जरूरी है। जांच अधिकारी अब यह देखेंगे कि कबाड़ हटाने और बेचने की प्रक्रिया में किन लोगों की भूमिका रही और क्या सक्षम अधिकारियों से आवश्यक अनुमति ली गई थी।

प्रशासन द्वारा जांच दल गठित किए जाने के बाद अब पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगी। वित्त विशेषज्ञों की मौजूदगी में होने वाली जांच में कबाड़ की वास्तविक कीमत से लेकर बिक्री की राशि तक का

शिक्षा विभाग के सामने बड़ी चुनौती

शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों को ईमानदारी, अनुशासन और नियमों का पालन करने की सीख दी जाती है। ऐसे में सरकारी स्कूल की संपत्ति से जुड़ी कथित अनियमितता का मामला सामने आना विभाग के लिए भी गंभीर विषय है। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो यह केवल आर्थिक अनियमितता का मामला नहीं रहेगा, बल्कि शैक्षणिक संस्थान की व्यवस्था और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े होंगे।

गणेश विसर्जन तैयारियों को लेकर एक्शन में निगम

हरिभूमि न्यूज » » सिंगोड़ी

कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ की अध्यक्षता में आज 23 सितंबर बुधवार को कलेक्टर सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक में विभागों के लंबित प्रकरणों, जनसमस्याओं, विकास कार्यों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की विभागावार समीक्षा की। कलेक्टर ने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का नियमानुसार परीक्षण करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण के निर्देश बैठक में अनुक्रंपा नियुक्ति से

संबंधित रवि कुमार साहू एवं स्वर्गीय ईश्वर श्याम साहू के प्रकरण सहित प्राथमिकता वाले विकासखंडों में निवेशकों को भूमि उपलब्ध कराने, राष्ट्रीय जल मिशन के कार्यों में तेजी लाने तथा औद्योगिक क्षेत्र बोरगांव स्थित नर्मदा अमृत दुग्ध सागर प्राइवेट लिमिटेड के स्थल निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने जिले में स्वचालित मौसम केंद्र की स्थापना के लिए उपयुक्त स्थल का चयन करने तथा पांडुर्णा में मुख्यमंत्री युवा शक्ति योजना अंतर्गत प्रस्तावित इंडोर आउटडोर खेल स्टेडियम के लिए भूमि चिन्हित

कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ की अध्यक्षता में आज 23 सितंबर बुधवार को कलेक्टर सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक में विभागों के लंबित प्रकरणों, जनसमस्याओं, विकास कार्यों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की विभागावार समीक्षा की। कलेक्टर ने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का नियमानुसार परीक्षण करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण के निर्देश बैठक में अनुक्रंपा नियुक्ति से



आवश्यक केन एवं अन्य आधुनिक मशीनों की समय पर हैनाती सुनिश्चित की जाए। आयुक्त ने विशेष निर्देश दिए कि विसर्जन कार्य में उपयोग में लाई जाने वाली मशीनों (क्रेन आदि) की समुचित साज-सज्जा की जाए, ताकि वे देखने में आकर्षक एवं पर्व के अनुकूल अनुशासित नजर आए।

छोटा तालाब स्थित विसर्जन कुंड के निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने कुंड परिसर की सफाई, मरम्मत एवं आकर्षक रंग-रोगन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विसर्जन पर्व से पूर्व ही समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कुलबहारा नदी स्थित विसर्जन कुंड के निरीक्षण के दौरान मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड छिंदवाड़ा इकाई के प्रमुख क्षेत्रीय अधिकारी एम.पी. तिवारी भी उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति में जल स्रोतों की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के मापदंडों का पालन करते हुए प्रतिमा विसर्जन की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा की गई।



खबर संक्षेप

बिनोरी जीवाश्म क्षेत्र के विकास कार्यों प्रारंभ करने वन मंडलाधिकारी उत्तर सिवनी ने किया स्थल निरीक्षण

सिवनी, वनमंडल उत्तर सिवनी के अंतर्गत वन परिक्षेत्र घंझौर (सा.) के बीट पूर्व बिनोरी, कक्ष क्रमांक -911 स्थित बिनोरी जीवाश्म क्षेत्र का आज वन मंडलाधिकारी उत्तर सिवनी डॉ महेंद्र सिंह उइके द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया। बिनौरी क्षेत्र में प्राचीन वृक्षों के जीवाश्मोक्त काष्ठ के अवशेष विभिन्न स्थानों पर दिखाई देते हैं। प्राकृतिक भू-वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के दौरान प्राचीन वृक्षों के तने एवं लकड़ी के अवशेष लंबे समय तक भू-स्तरों में दबे रहे और उनमें खनिज पदार्थों के प्रवेश से वे धीरे-धीरे पत्थर जैसी अवस्था में परिवर्तित हुए। क्षेत्र में दिखाई देने वाले लंबे, खंडित एवं गोलाकार अवशेष प्राचीन वृक्षों के तनों, शाखाओं के जीवाश्मोक्त अवशेष होने का संकेत देते हैं। इस प्रकार बिनौरी का जीवाश्म क्षेत्र प्राचीन वनस्पति, भू-वैज्ञानिक इतिहास एवं प्राकृतिक विरासत के संरक्षण तथा अध्ययन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल है। मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड, भोपाल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एल. कृष्णमूर्ति द्वारा बिनोरी जीवाश्म क्षेत्र के विकास हेतु विशेष रुचि लेते हुए योजना बनाने एवं विकास कार्य प्रस्तावित करने हेतु निर्देशित किया था, जिसके फलस्वरूप कार्य प्रस्तावित किए गए जिसके अंतर्गत जीवाश्म क्षेत्र का संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण, सुरक्षित पहुंच मार्ग, प्राकृतिक/लोहे की फेंसिंग, पगोडा निर्माण, प्राकृतिक पथ , पर्यटक सुविधा, सूचना एवं व्याख्या संबंधी व्यवस्थाएं तथा अन्य आवश्यक विकास कार्य शामिल हैं वन मण्डलाधिकारी द्वारा स्थल का निरीक्षण कर प्रस्तावित कार्यों के संबंध में आवश्यक परीक्षण किया गया तथा आगामी समस्त प्रस्तावित कार्यों के लिए कार्य प्रारंभ करने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया कि विकास कार्य करते समय जीवाश्म क्षेत्र की प्राकृतिक एवं वैज्ञानिक महत्ता तथा उसके संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए। बिनोरी जीवाश्म क्षेत्र को व्यवस्थित रूप से विकसित किए जाने से क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों एवं विद्यार्थियों को जीवाश्म तथा स्थानीय प्राकृतिक विरासत के संबंध में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, क्षेत्र की सुरक्षा एवं संरक्षण व्यवस्था को भी मजबूत किया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान वन विभाग के परिक्षेत्र अधिकारी घंझौर एवं कर्मचारी उपस्थित रहे तथा प्रस्तावित कार्यों के क्रियान्वयन से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रस्तुत की गई।

सिवनी, वनमंडल उत्तर सिवनी के अंतर्गत वन परिक्षेत्र घंझौर (सा.) के बीट पूर्व बिनोरी, कक्ष क्रमांक -911 स्थित बिनोरी जीवाश्म क्षेत्र का आज वन मंडलाधिकारी उत्तर सिवनी डॉ महेंद्र सिंह उइके द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया। बिनौरी क्षेत्र में प्राचीन वृक्षों के जीवाश्मोक्त काष्ठ के अवशेष विभिन्न स्थानों पर दिखाई देते हैं। प्राकृतिक भू-वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के दौरान प्राचीन वृक्षों के तने एवं लकड़ी के अवशेष लंबे समय तक भू-स्तरों में दबे रहे और उनमें खनिज पदार्थों के प्रवेश से वे धीरे-धीरे पत्थर जैसी अवस्था में परिवर्तित हुए। क्षेत्र में दिखाई देने वाले लंबे, खंडित एवं गोलाकार अवशेष प्राचीन वृक्षों के तनों, शाखाओं के जीवाश्मोक्त अवशेष होने का संकेत देते हैं। इस प्रकार बिनौरी का जीवाश्म क्षेत्र प्राचीन वनस्पति, भू-वैज्ञानिक इतिहास एवं प्राकृतिक विरासत के संरक्षण तथा अध्ययन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल है। मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड, भोपाल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एल.

कृष्णमूर्ति द्वारा बिनोरी जीवाश्म क्षेत्र के विकास हेतु विशेष रुचि लेते हुए योजना बनाने एवं विकास कार्य प्रस्तावित करने हेतु निर्देशित किया था, जिसके फलस्वरूप कार्य प्रस्तावित किए गए जिसके अंतर्गत जीवाश्म क्षेत्र का संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण, सुरक्षित पहुंच मार्ग, प्राकृतिक/लोहे की फेंसिंग, पगोडा निर्माण, प्राकृतिक पथ , पर्यटक सुविधा, सूचना एवं व्याख्या संबंधी व्यवस्थाएं तथा अन्य आवश्यक विकास कार्य शामिल हैं वन मण्डलाधिकारी द्वारा स्थल का निरीक्षण कर प्रस्तावित कार्यों के संबंध में आवश्यक परीक्षण किया गया तथा आगामी समस्त प्रस्तावित कार्यों के लिए कार्य प्रारंभ करने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया कि विकास कार्य करते समय जीवाश्म क्षेत्र की प्राकृतिक एवं वैज्ञानिक महत्ता तथा उसके संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए। बिनोरी जीवाश्म क्षेत्र को व्यवस्थित रूप से विकसित किए जाने से क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों एवं विद्यार्थियों को जीवाश्म तथा स्थानीय प्राकृतिक विरासत के संबंध में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, क्षेत्र की सुरक्षा एवं संरक्षण व्यवस्था को भी मजबूत किया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान वन विभाग के परिक्षेत्र अधिकारी घंझौर एवं कर्मचारी उपस्थित रहे तथा प्रस्तावित कार्यों के क्रियान्वयन से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रस्तुत की गई।

निःशुल्क अंधत्व निवारण शिविर का आयोजन
भुआबिछिया। ग्राम पंचायत भीमडींगरी में दादा वीरन्द्र पुरी जी महाराज (देवजी नेत्रालय) के सहयोग से निःशुल्क अंधत्व निवारण एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में कुल 22 मरीजों ने अपनी आंखों की जांच कराई। जांच उपरांत 3 मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयन किया गया। चयनित मरीजों को मौजूदगी में हरी झंडी दिखाकर देवजी नेत्रालय, जबलपुर के लिए रवाना किया गया, जहां उनका आवश्यक उपचार एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्य टीम एवं ग्रामवासियों का सहयोग सराहनीय रहा। आंखों की रोगशोि बचाना और जरूरतमंदों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना ही इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है।

रंग मंच निर्माण कार्य भूमि पूजन संपन्न
भुआबिछिया। कल ग्राम पंचायत मनोरी के पोषक ग्राम मंगली के बंगगो टिकरा में 15वें वित्त आयोग की राशि से 1.50 लाख की लागत से रंगमंच निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर जनपद सदस्य अनंत सिंह राठौर ने कहा कि रंगमंच का निर्माण ग्रामीणों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए उपयोगी साबित होगा। गांव में आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में श्रीमती रेखा धुवें, सरपंच, परमू कोरचे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

घुटनों तक कीचड़, फिर भी सड़क नहीं!

मानेगांव के वार्ड-10 में सीसी रोड के लिए 8-10 बार आवेदन, ग्रामीणों का आरोप—कोहंका में सड़क बनी, हमारे वार्ड की अनदेखी क्यों?

ग्राम मानेगांव के वार्ड नंबर 10 में सीसी सड़क का निर्माण नहीं होने से ग्रामीणों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। बारिश के दिनों में वार्ड की सड़क की हालत इतनी बदतर हो जाती है कि जगह-जगह घुटनों से ऊपर तक पानी और कीचड़ जमा हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग अब आवागमन का साधन कम और परेशानी का कारण अधिक बन चुका है।

सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों के अनुसार कई बुजुर्ग कीचड़ में फिसलकर गिर चुके हैं। वहीं स्कूल जाने वाले बच्चों को मुख्य मार्ग तक पहुंचाने के लिए परिजनों को उन्हें गोद में उठाना पड़ता है। कई बार साइकिल तक कंधे पर उठाकर कीचड़ और पानी पार कराना पड़ता है, तब कहीं जाकर बच्चे मुख्य मार्ग तक पहुंच पाते हैं।

8 से 10 बार आवेदन, फिर भी नहीं हुई सुनवाई

वार्डवासियों का कहना है कि ग्राम सभा एवं पंचायत स्तर पर



सड़क निर्माण को लेकर 8 से 10 बार आवेदन दिए जा चुके हैं। ग्रामीणों ने सरपंच, सचिव सहित संबंधित अधिकारियों से भी समस्या के निराकरण की मांग की, लेकिन अब तक सड़क निर्माण की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच लक्ष्मी मर्सकोले द्वारा पंचायत में राशि उपलब्ध नहीं होने की बात कही जाती है। वहीं ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि यदि राशि का अभाव है तो

पंचायत क्षेत्र के दूसरे हिस्सों में विकास कार्य किस आधार पर कराए जा रहे हैं?

कोहंका में सड़क, मानेगांव का वार्ड-10 उपेक्षित क्यों?

ग्रामीणों ने मानेगांव से लगे ग्राम कोहंका का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि वहां ऐसे स्थानों पर भी सड़क निर्माण कराया गया है, जहां उसकी आवश्यकता अपेक्षाकृत कम थी, जबकि मानेगांव के वार्ड नंबर 10 में लंबे समय से बدهाल सड़क ग्रामीणों के लिए गंभीर समस्या बनी हुई है।

ग्रामीणों का सवाल है कि एक ही पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों की प्राथमिकता तय करने का आधार क्या है? यदि वार्ड-10 की सड़क वास्तव में जरूरी है तो इसके निर्माण को लगातार टाला क्यों जा रहा है?

अधिकारियों के दरवाजे खटखटाए, नहीं मिली राहत

वार्डवासियों के अनुसार उन्होंने सरपंच एवं सचिव के साथ-साथ संबंधित एसडीओ और सब इंजीनियर से भी कई बार मुलाकात कर समस्या बताई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि सरपंच से बार-बार सड़क निर्माण की मांग करने पर कथित रूप से दंबर्गई एवं धमकीपूर्ण व्यवहार का सामना करना पड़ा। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाना प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है।

बालिकाओं-महिलाओं के लिए पिक ड्राइविंग लाइसेंस शिविर आज

सुभाष चंद्र बोस कन्या महाविद्यालय में सुबह 11 से शाम 4 बजे तक लगेगा शिविर, आधार लिंक मोबाइल नंबर और आयु प्रमाण-पत्र जरूरी
वन स्टॉप सेंटर एवं महिला एवं बाल विकास विभाग सिवनी की पहल, महिलाओं को सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर परिवहन से जोड़ने का प्रयास

सिवनी। बालिकाओं एवं महिलाओं को सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अंतर्गत संचालित ‘बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ’ योजना के तहत जिले में विशेष पहल की जा रही है। इसी क्रम में वन स्टॉप सेंटर एवं महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला सिवनी द्वारा पिक ड्राइविंग लाइसेंस शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

वन स्टॉप सेंटर प्रशासन से प्राप्त जानकारी



के अनुसार शिविर 24 सितंबर 2026, गुरुवार को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक सुभाष चंद्र बोस कन्या महाविद्यालय, सिवनी में आयोजित होगा।

ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने में मिलेगा सहयोग

शिविर का उद्देश्य पात्र बालिकाओं एवं महिलाओं को ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करना तथा उन्हें सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर परिवहन सुविधा से जोड़ना है। शिविर के माध्यम से लाइसेंस बनवाने से संबंधित प्रक्रिया की जानकारी एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

दस्तावेज साथ लाना जरूरी

शिविर में शामिल होने वाली पात्र बालिकाओं एवं महिलाओं को आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर तथा आयु संबंधी प्रमाण-पत्र साथ लाना आवश्यक है। विभाग द्वारा इच्छुक लाभार्थियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर शिविर स्थल पहुंचकर इस सुविधा का लाभ लेने की अपील की गई है।

वन स्टॉप सेंटर प्रशासन ने शिविर का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया है, ताकि जिले की अधिकाधिक बालिकाएं एवं महिलाएं इस पहल से जुड़कर ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया का लाभ उठा सकें।

गणेश विसर्जन को लेकर पुलिस-प्रशासन अलर्ट



सिवनी। संयुक्त अमले ने विसर्जन घाटों का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन में गणेश उत्सव के समापन एवं प्रतिमा विसर्जन को दृष्टिगत रखते हुए सिवनी पुलिस एवं जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम आवागमन को सुनिश्चित करने हेतु आज पुलिस-प्रशासन के संयुक्त अमले द्वारा जिले के प्रमुख विसर्जन घाटों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया गया।

इस दौरान अधिकारियों द्वारा

घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, गोताखोरों एवं आपदा प्रबंधन टीम की तैनाती, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, पार्किंग एवं आवागमन मार्गों से संबंधित व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया गया। अधिकारियों द्वारा संबंधित विभागों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देश पर विसर्जन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। विसर्जन स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल, महिला पुलिस एवं यातायात पुलिस की तैनाती की जाएगी।

प्रशासन का उद्देश्य शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण में गणेश प्रतिमा विसर्जन संपन्न कराना है। निरीक्षण किए गए घाट- लखनवाड़ा बैनगंगा घाट, मठ तालाब घाट, दल सागर घाट एवं परतापुर घाट। निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी- एसडीएम सिवनी, नगर पुलिस अधीक्षक सिवनी चंचलेश मरकाम, मुख्य नगर पालिका इंजीनियर शर्मा, प्रशिक्षु डीएसपी सचिन मोहनिया, थाना प्र भारी लखनवाड़ा, महिला थाना प्र भारी, तहसीलदार सिवनी, नायब तहसीलदार सिवनी एवं नगर पालिका स्टाफ उपस्थित रहा।

कुरई पुलिस ने सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी, पैसे के लेनदेन के विवाद में वृद्ध की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

सिवनी।

पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा तथा एसडीओपी बरघाट ललित गठरे के कुशल मार्गदर्शन में थाना कुरई पुलिस को अंधे हत्याकांड का खुलासा करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

दिनांक 16/09/2026 को प्रार्थी द्वारा का मेश्राम निवासी ग्राम जिरैवाड़ा द्वारा थाना कुरई में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसके 75 वर्षीय पिता मनीराम मेश्राम दिनांक 10/09/2026 को दोपहर 12.30 बजे से लापता हैं। परिजनों द्वारा काफी तलाश के बाद भी सुराग न मिलने पर अपहरण की आशंका व्यक्त की गई। उक्त सूचना पर थाना कुरई में अपराध क्र. 418/2026 धारा 140(3) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ की गई।

विवेचना के दौरान दिनांक 20/09/2026 को ग्राम रमली के जंगल में नालीनुमा स्थान पर एक प्लास्टिक की बोरी से ढका हुआ



अज्ञात शव प्राप्त हुआ। मौके पर पहुंचकर मृतक के पुत्र द्वारा का मेश्राम एवं नाती शिवम द्वारा शव की शिनाख्त गुमशुदा मनीराम मेश्राम के रूप में की गई। शव अत्यधिक सड़ी-गली अवस्था में होने से मेडिकल कॉलेज सिवनी की फॉरेंसिक एक्सपर्ट टीम द्वारा

पिता अशोक कावल उम्र 37 साल निवासी ग्राम जिरैवाड़ा को तलब कर सघन पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक मनीराम मेश्राम द्वारा अपनी जमीनी 13 लाख रुपये में बेची गई थी, जिसको लेकर मृतक एवं आरोपी के बीच पैसे के

सिवनी हरिभूमि 9

सिवनी

विकास कार्यों की जांच की मांग, लाखों की गड़बड़ी का आरोप

वार्डवासियों ने पंचायत क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जांच की मांग भी उठाई है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि ग्राम पंचायत में हुए विकास कार्यों की तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराई जाए तो लाखों रुपये की कथित अनियमितताएं सामने आ सकती हैं। ग्रामीणों ने वर्तमान सरपंच लक्ष्मी मर्सकोले तथा पूर्व सचिव चंद्रपाल बघेल के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों की विशेष जांच की मांग की है। हालांकि, लाखों रुपये की हेराफेरी और भ्रष्टाचार संबंधी आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकती है।

अब सवाल—बारिश में फिर कीचड़ में उतरेंगे बच्चे?

वार्ड नंबर 10 के ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण की मांग कोई नई मांग नहीं है। वर्षों से ग्रामीण समस्या झेल रहे हैं और आवेदन पर आवेदन देने के बाद भी यदि सुनवाई नहीं होती तो आखिर वे अपनी समस्या लेकर किसके पास जाएं? ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि वार्ड नंबर 10 की सड़क का मौके पर निरीक्षण कराकर तत्काल निर्माण की प्रक्रिया शुरू कराई जाए तथा पंचायत में अब तक हुए विकास कार्यों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि जांच में यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदारों पर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छपारा को सिविल अस्पताल बनाने की मांग तेज, 1.23 लाख की आबादी एक डॉक्टर के भरोसे

सिवनी। 2011 की जनगणना के अनुसार 1,23,024 की आबादी वाले छपारा ब्लॉक का स्वास्थ्य तंत्र भगवान भरोसे चल रहा है। तहसील की कुल जनसंख्या में 1,07,653 ग्रामीण और 15,371 शहरी (डुंगरिया छपारा) आबादी शामिल है। 25,080 ग्रामीण परिवारों वाले इस बड़े ब्लॉक में 157 गांव आते हैं, लेकिन इन सबके इलाज की जिम्मेदारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छपारा पर है, जो वर्तमान में मात्र एक डॉक्टर के भरोसे संचालित हो रहा है।

इतनी बड़ी आबादी के अनुपात में स्वास्थ्य सुविधाएं नगण्य हैं। दूर-दराज के आदिवासी अंचलों से ग्रामीण सुबह से ही अस्पताल पहुंच जाते हैं, लेकिन डॉक्टरों की कमी के चलते उन्हें घंटों लाइन में लगना पड़ता है। कई बार तो गंभीर मरीजों को देखे बिना ही सिवनी या जबलपुर रेफर कर दिया जाता है, जिससे गरीब मरीजों पर दोहरी मार पड़ती है।

वर्तमान में बीएमओ डॉ. इनवाती साहब अकेले ही पूरा भार संभाल रहे हैं। ओपीडी, इमरजेंसी, प्रसव, पोस्टमार्टम, टीकाकरण अभियान और प्रशासनिक कार्य, सब कुछ एक ही डॉक्टर को देखना पड़ रहा है।

सवाल उठता है कि आखिर एक डॉक्टर कहां-कहां देखे? क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य है। आंकड़ों के अनुसार तहसील में 58,073 अनुसूचित जनजाति और 12,309 अनुसूचित जाति की आबादी है। यहां कुपोषण, एनीमिया, मलेरिया, टीबी और प्रसव संबंधी जटिलताएं अधिक सामने आती हैं, जिनके लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की सख्त आवश्यकता है। ग्रामीणों का



कहना है कि जनसंख्या घनत्व और क्षेत्रफल की दृष्टि से छपारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अब सिविल अस्पताल में उन्नयन का हकदार है।

प्रमुख मांगें

- छपारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को तत्काल सिविल अस्पताल बनाया जाए।
- सर्जन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ सहित कम से कम 6 डॉक्टरों की नियुक्ति हो।
- नर्सिंग व पैरा मेडिकल स्टाफ के रिक्त पद तुरंत भरे जाएं।
- 24x7 प्रसव व इमरजेंसी सुविधा और ब्लड स्टोरेज यूनिट स्थापित हो।

नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि शासन ने जल्द ध्यान नहीं दिया तो उग्र आंदोलन किया जाए।

मधुमक्खियों के हमले के बाद इलाज के दौरान संतोष पटले का निधन

सिवनी। ग्राम पाथरफोड़ी निवासी स्वर्गीय गुरुदयाल जी पटले के बड़े सुपुत्र संतोष पटले आज सुबह अपने खेत में घास लेने गए थे। इसी दौरान अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों से बचने के लिए वे कुछ दूरी तक भागे, लेकिन अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। परिजनों एवं ग्रामीणों द्वारा उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय सिवनी ले जाकर भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा था। उपचार के दौरान शाम को संतोष पटले का आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से ग्राम पाथरफोड़ी में शोक की लहर व्याप्त है और परिजनों एवं शुभचिंतकों में गहरा दुख है। परिजनों के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार कल ग्राम पाथरफोड़ी स्थित मौक्षधाम में किया जाएगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

श्वान एवं बिल्ली पालकों से रेबीज टीकाकरण कराने की अपील

सिवनी।

सिवनीउपसंचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, जिला सिवनी द्वारा नागरिकों को रेबीज रोग से बचाव के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया है कि रेबीज एक गंभीर विषाणुजनित बीमारी है, जो संक्रमित पशु के काटने अथवा खरोचने से मनुष्यों में फैल सकती है। यह रोग केंद्रीय तंत्रिका तंत्र अर्थात मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी को प्रभावित करता है। रेबीज मुख्य रूप से संक्रमित श्वान, बिल्ली, बंदर अथवा चमगादड़ के काटने से पशुओं एवं मनुष्यों में फैल सकता है। मनुष्यों में इसके

प्रारंभिक लक्षणों में बुखार, सिरदर्द तथा काटे गए स्थान पर सुन्नपन या झुनझुनी हो सकती है। गंभीर स्थिति में अत्यधिक बेचैनी, भ्रम एवं आक्रामक व्यवहार जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। जल से भय लगना तथा पानी पीने या देखने पर गले में ऐठन होना भी रेबीज के प्रमुख लक्षणों में शामिल है।

विभाग द्वारा बताया गया है कि किसी संक्रमित अथवा संदिग्ध पशु के काटने पर घाव को तत्काल बहते पानी एवं साबुन से कम से कम 15 मिनट तक अच्छी तरह धोना चाहिए। इसके बाद बिना विलंब किए नजदीकी स्वास्थ्य संस्था में जाकर चिकित्सक की

सलाह के अनुसार एंटी रेबीज टीके का पूरा उपचार निर्धारित समय पर करवाना चाहिए। किसी भी प्रकार के घरेलू उपचार पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

उपसंचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने जिले के समस्त श्वान एवं बिल्ली पालकों से अपील की है कि वे अपने पालतू पशुओं का अनिवार्य रूप से रेबीज टीकाकरण करवाएं। इसके लिए नजदीकी पशु चिकित्सा संस्था से संपर्क कर समय पर टीकाकरण कराया जा सकता है। पालतू पशुओं का नियमित टीकाकरण कराकर रेबीज रोग की रोकथाम में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

सराहनीय भूमिका
श्वाना प्रभारी निरीक्षक कृपाल शाह तेकाम, उप निरीक्षक इंजनसिंह मर्सकोले, सउनि शैलेन्द्र डोंगरे, सउनि भुपेन्द्र नागेश्वर, सउनि दिलीप सरयाम, चंचलेश नरवरे, राजेश माथरे, महेंद्र परतेती, अविनाश पांडे, राजेन्द्र कटरे, सतीश इनवाती, मुकेश भगत, प्रकाश उइके, ललित शर्मा, यशपाल सिंह उइके की सराहनीय भूमिका रही।



